

संपादकीय

टमाटर नहीं, अबकी बार बम बरसे

वे पिछले चार सालों से इंच टेप लेकर छाती का माप लेते रहे। उन्हें कई बार फीता छप्पन इंच से ऊपर चढ़ा दिखाई दिया, लेकिन उन्होंने इट से फीता हटा लिया। वे नहीं चाहते थे कि टिक्सी को पता चले कि अगला बास्तव में छप्पन इंची है। इंच-इंच मापने की और मीटरों लम्बे बयानों से कोसाने की साजिश चलती रही।

जिस मुगलाते में विपक्ष था, कुछ वही हाल आती कियों और पाकिस्तानी सरकार का था। वे भी इस आशा में चैन की बंडी बजा रहे थे, कि अगला बाबन-तिरेपन इंची है। क्या बिगाड़ लेगा अपना। जब आजादी के इतने वर्षों तक कोई न उड़ा पाया, कोई न उड़ा पाया। आतंकवाद की फसल लहलहाती चली जा रही है। अब भला कौन इसमें तेजाब फेंकने की हिम्मत दिखायेगा।

आती कियों ने छेड़ने का म जारी रखा। लेकिन इस बार छेड़ने पर न छेड़ने की धमकी मिली। छप्पन इंची संस्कृति आ रैशित थी। छेड़ने की हड्ड लांघी जा चुकी थी। हर बार की तरह इस बार कड़ी निंदा की गई। और एकशन लेने की बात को जोर से उछाला गया। अगले के कानों में केवल कड़ी निंदा का स्वर गूंजा, क्योंकि वह दशकों से यहीं सुनता आ रहा था। हमले दौर हमलों के बाद उसे कड़ी निंदा सुनना अच्छा लगता था। उसे कैमरे के सामने चहकते बायानवीर बहुत भाते थे। उसे लगा इस बार भी निंदा बम फोड़ा जायेगा। बयानों के जेट उड़ाये जाएंगे। नई सरकार थी। उसे लगा शायद थोड़ा-बहुत कुछ बदलाव हो सकता है। उसे प्रारम्भिक एकशन से लगने भी लगा था। अब कड़ी निंदा की जगह टमाटर बार होगा। टमाटर के गोले छोड़े जाएंगे। बात थोड़ा आगे बड़ी। टमाटर से बढ़कर बात पानी के साथ बहनी शुरू हुई।

आती कियों और सीमा पार वालों को लगा छप्पन इंच पानी की टॉन्टी बंद करके बदला लेगा। फिर पानी पर बहस होने लगी। सीमा के इस पार आ शे के स्वर बुलन्द हुए। विपक्षी बयानी तीर छोड़ने लगे। तंज कसने लगे।

इस बार सेना और सरकार दोनों के छप्पन इंची सीने डोलने लगे। आती कियों की पाठशाला मिटाने की तैयारी शुरू हुई। कड़ी निंदा के साथ एकशन का डोज पिलाया गया। आती कियों के आकाओं के कान खड़े हो गए। वायुसेना के विमानों से गिरे बम के गोलों ने आती कियों के ठिकानों को नेस्तनबूद कर दिया।

टमाटर वर्षा की आशा लगाये आती कियों की समर्थक सरकार बम के गोलों की वर्षा से डरी-सहमी दिखाई दे रही है। न उगलते बन रहा है न निगलते। वे कुछ कहने की हिम्मत जुटा नहीं पा रहे हैं। कड़ी निंदा की आशा में बड़ी कार्यवाही से अब स्तब्ध है।

झधर सीमा के इस पार भी दुकड़े-दुकड़े गेंग के सीने पर सांप लौट रहा है। न कुछ कहते बन रहा है, न चूप रहते। कायर सरकार कहने वाले सरकार को शाबासी देने की हिम्मत जुटा नहीं पा रहे हैं। अवार्ड वापसी गेंग गहरे सदमे में हैं, जिन्हें भारत में डर लगता था वे अब शांत हैं। लोगों में सुगंभुगाहट है छप्पन इंची, एक सौ छप्पन इंच की रफ्तार में है। आती कियों के ठिकानों पर बम वर्षा से हर भारतीय का सीना छप्पन इंच की सीमा तोड़ चुका है।



चावल के पकोड़े बनाने की विधि जानिए

- सामग्री -
2 कप चावल(पके हुए)
2 हरी मिर्च(बारिक कटी हुई)
अदरक(कद्दूकस किया हुआ)

1/4 छोटा चम्मच अमचूर
पाउडर 1/4 छोटा चम्मच लाल
मिर्च पाउडर

1 टेबलस्पून हरा धनिया

1 कप बेसन

नमक स्वादानुसार

तेल तरबे के लिए

धनिया पाउडर

बनाने का तरीका - सबसे पहले

चावल में नमक, हरी मिर्च, अदरक,

अमचूर पाउडर, लालमिर्च पाउडर

और हरा धनिया डालकर अच्छी

तरह से मिलाए। अब इस मिश्रण के

गोल या मनपसंद आकार के गोले

पकोड़े तैयार हैं। इन्हें आप हरी

चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-94

बाएं से दाएं

15. वचन, जीभ 16. रोपियों को

मस्तक 6. कटोरी के आकार का

नलांदार पात्र

जिसमें तंबाकू

सिसकने की आवाज, सीत्कार 4.

स्वरथ और मृतकों के लिए चाल 17. एक सुंदर

फूलदार वृक्ष 19. पल्लो, बीजी 20.

दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध

मसालेदार सुगंधित सुरती ।

8. बायुल की दुआएं लेती जा..

गीतवालों बलराज साहनी,

मोरजुमार, राजकुमार, वहीदा

फिल्म 11. करतल ध्वनि 13.

लगा छड़, छटखनी 3. मांस के

आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता

अल्पतं छाँटे दुकड़े 4. माथा,

दबाव ।

15. वचन, जीभ 16. रोपियों को

मस्तक 6. कटोरी के आकार का

नलांदार पात्र

जिसमें तंबाकू

सिसकने की आवाज, सीत्कार 4.

स्वरथ और मृतकों के लिए चाल 17. एक सुंदर

फूलदार वृक्ष 19. पल्लो, बीजी 20.

दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध

मसालेदार सुगंधित सुरती ।

8. बायुल की दुआएं लेती जा..

गीतवालों बलराज साहनी,

मोरजुमार, राजकुमार, वहीदा

फिल्म 11. करतल ध्वनि 13.

लगा छड़, छटखनी 3. मांस के

आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता

अल्पतं छाँटे दुकड़े 4. माथा,

दबाव ।

15. वचन, जीभ 16. रोपियों को

मस्तक 6. कटोरी के आकार का

नलांदार पात्र

जिसमें तंबाकू

सिसकने की आवाज, सीत्कार 4.

स्वरथ और मृतकों के लिए चाल 17. एक सुंदर

फूलदार वृक्ष 19. पल्लो, बीजी 20.

दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध

मसालेदार सुगंधित सुरती ।

8. बायुल की दुआएं लेती जा..

गीतवालों बलराज साहनी,

मोरजुमार, राजकुमार, वहीदा

फिल्म 11. करतल ध्वनि 13.

लगा छड़, छटखनी 3. मांस के

आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता

अल्पतं छाँटे दुकड़े 4. माथा,

दबाव ।

15. वचन, जीभ 16. रोपियों को

मस्तक 6. कटोरी के आकार का

नलांदार पात्र

जिसमें तंबाकू

सिसकने की आवाज, सीत्कार 4.

स्वरथ और मृतकों के लिए चाल 17. एक सुंदर

फूलदार वृक्ष 19. पल्लो, बीजी 20.

दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध

मसालेदार सुगंधित सुरती ।

8. बायुल की दुआएं लेती जा..

गीतवालों बलराज साहनी,

मोरजुमार, राजकुमार, वहीदा

फिल्म 11. करतल ध्वनि 13.

लगा छड़, छटखनी 3. मांस के

आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता